गुणउसंकल *ऐतिरा*. गुणनी भरपाई, [गुण — उपकारनो बदलो]

गुणका, गुंणका मदमो. गणिका

गुणगेह ऋषिरा. गुणोनुं घर, [गुणोनुं निवास-स्थान] (सं.गुणगृह)

गुणठाण आनंस्त. जिनरा. षडावा. गुण-स्थानक, आत्मानी आध्यात्मिक उन्नति-नी उत्तरोत्तर अवस्थाओ [जै.]

गुणणी जिक्तर. पुनरावर्तन, अध्ययन (*सं. गुणनिका)

गुणत्तम *आरारा*. गुणोत्तम, उत्तम गुणवाळा **गुणनाएक** मदमो. गणनायक, [गणपति]

गुणनिलंड आरारा. ऐतिका. नलरा. गुणोनुं स्थान, [गुणोना आवास समान], गुणवान (सं.गुणनिलय)

गुणनिहाण *ऐतिका*. गुणनिधान, [गुणोनो भंडार]

गुणपंचासि *प्राचीफा*. ओगणपचास (सं. एकोनपंचाशत्)

गुणभूरि आरारा. घणा गुणवाळा (सं.)

गुणवेघ *शृंगामं. [गुणचतुर, गुणरिसक] [सं.गुणविदग्ध]; वसंफा. वसंवि(ब्रा). गुणचतुर, गुणरिसक (सं.गुणविदग्ध)

गुणवेध वसंफा. काणुं पाडनार [सं.गुण+ वेधक]

गुणसिल *आरारा.* गुणशिलक **ना**मनुं जिनमंदिर

गुणह वसंवि. वसंवि(ब्रा). पणछ (सं.गुण) गुणाकरो ऋषिरा. गुणनो आकर – खाण [– भंडार] गुणागर वसंफा. वसंवि. गुणोनो भंडार (सं. गुणाकर)

गुणिअन कादं(ध्र). कादं(शा). गुणिजनो, [प्रशस्तिगायको], भाट, चारण वगेरे गुणिउ उक्तिर. पुनरावर्तन कर्युं, अभ्यास कर्यों (सं.गुणितम्)

गुद प्रेमाका. गुदा [सं.]

गुवराणी **ऐतिका.* [निवेदित करी, निवेदित थई, जाणी] [फा.गुजर]

गुदरावर्षुं सिंहा(शा). मोकलाववुं (हिं. गुदराना) [फा.गुजार परथी]

गुवरे मदमो. दरगुजर थाय, [माफ थाय] गुवारे जुओ हसीय गुदारे

गुपति आरारा. ऐतिका. चारफा. मन, वचन, कायानी अशुभ वृत्ति-प्रवृत्ति टाळवी ते [जै.]; वीसरा. खानगी (सं.गुप्त)

गुप्ती *प्रेमाका*. लाकडीना पोलाणमां छुपावी शकाय तेवुं एक प्रकारनुं शस्त्र

गुप्ते *उपबा. [मन, वचन, कायानी अशुभ वृत्ति टाळवारूप गुप्ति वडे] [जै.]

गुब्हुं *सिंहा (शा)*. गुमडुं [सं.गुल्मः]

*गुभाजणी [उभाजणी] *गुर्जरा. [उद्वेग, उत्साहभंग]; जुओ उभगइ

गुमार, गुंमार मदमो. गमार [दे.गवार] गुर आरारा. कर्पूमं. कादं(शा). प्राचीफा. षडावा. गुरु

गुरज, गुरुज, गुर्ज प्रेमाका. हम्मीप्र. [गदा जेवुं] एक शस्त्र (फा.गुझी); जुओ गरुज गुरजर-घर तेरका. गुर्जरधरा, गुर्जरभूमि, [गुजरात]